मरीजों के लिए बॉर्डर पार करना बड़ी चुनौती पेज02

रिपोर्ट में देरी हुई तो लैब पर कार्रवाई होगी पेज03

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

अजय भी डिजिटल

सलमान खान के बाद अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया' डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो सकती है।

बुधवार, 03 जून 2020, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 85, अंक 132, 14 पेज, मूल्य ₹ 4.50, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मूल्य ₹ 9.00

भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, चीन से लेकर कनाडा तक अभिभावकों की मुहिम, देश में ऑनलाइन अभियान से 4.29 लाख जुड़े

मुहिम: कोरोना खत्म हो या टीका बने तभी स्कूल भेजेंगे बच्चे

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान ब्यूरो

अभिभावक रोजी-रोटी के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर घर से निकलने को तो तैयार हैं, लेकिन बच्चों को स्कूल भेजने को राजी नहीं हैं। भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, चीन से लेकर कनाडा तक इसके खिलाफ अभिभावकों ने मुहिम शुरू की है।

भारत में स्कूल जुलाई से खुलने के संकेत हैं, लेकिन अभिभावकों ने किसी राज्य में मामले शून्य होने या टीका आने तक बच्चों को स्कूल नहीं भेजने की मुहिम छेड़ दी है। पैरेंट्स एसोसिएशन के चेंज डॉट आर्ग पर शुरू ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान को सवा चार लाख से ज्यादा लोगों का समर्थन मिला है। अभिभावक पांच लाख हस्ताक्षरों के साथ मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

अनुशासन पर भी सवालः

स्कूलों में जेल जैसे अनुशासन पर भी सवाल उठे। दरअसल, बच्चों को 10-10 के अलग समूह में रखा जाएगा, कक्षाओं में खाना होगा और एक-दूसरे से कुछ साझा नहीं कर सकेंगे। दो गज की सामाजिक दूरी भी जरूरी होगी।

लंदन में अभिभावकों ने ऐसे संदेश लिख बच्चों के जूते घर के दरवाजे पर रख दिए।

स्कूल बच्चों का मनोबल बढ़ाने और आत्मविश्वास जगाने की जगह है, जहां बच्चे सहजता से अभिव्यक्ति दे सकें। ऐसे भययुक्त माहौल में पढ़ाई कैसे होगी।

-डॉ. मालिना साबा, मनोवैज्ञानिक

बच्चों और बूढ़ों को जब घर में रहने की सलाह दी गई है तो स्कूल खोलना वाजिब नहीं है। बच्चे अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं तो हम उनकी जिंदगी का खतरा क्यों मोल लें।

-जोएना आर्थर, ब्रिटिश महिला

#जून टू सून मुहिम

इंग्लैंड में स्कूल खुलने पर अभिभावकों ने सोशल मीडिया पर अभियान छेड़ दिया। 'जून टू सून' हैशटैग के साथ बच्चों के जूतों की तस्वीरें पोस्ट कीं। फेसबुक पर भी बहिष्कार की मुहिम तेज हो गई।

अजीबोगरीब नियमों पर सवाल उठे

डेनमार्क-अप्रैल मध्य से स्कूल खोले मगर बच्चों की संख्या बेहद कम

स्विट्जरलैंड- अभिभावकों पर बच्चों को स्कूल से कुछ दूर छोड़ने की शर्त

नीदरलैंड-स्कूलों में डेस्क के चारों ओर प्लास्टिक शील्ड लगाई गई

ऑस्ट्रेलिया-न्यूसाउथवेल्स में हफ्ते में एक दिन स्कूल आने का नियम

चीन-शंघाई में स्कूल के अंदर-बाहर आते-जाते थर्मल स्क्रीनिंग

अमेरिका-कनाडा में भी चिंता के स्वर।

Date: 03 JUNE, 2020 | Page: 01(Front Page) | Language: Hindi | Media Vertical: Print | Readership: 3,600,000
Circulation: Delhi, Noida, Gurgaon, Haryana (Faridabad), Bihar (Patna, Muzaffarpur, Gaya, Bhagalpur and Purnea), Jharkhand (Ranchi, Jamshedpur and Dhanbad), Uttar Pradesh (Lucknow, Varanasi, Meerut, Agra, Allahabad, Gorakhpur, Bareilly, Moradabad, Aligarh, and Kanpur) and Uttarakhand (Dehradun, Haridwar, Haldwani), Mathura, Saharanpur, Faizabad.